

प्रेस विज्ञप्ति टीम एवरेरा शेल ईको- मैराथन 2018



The Official Contingent of Team Averera Representing India and IIT BHU at Shell Eco-Marathon Asia, 2018



Team Averera with the Director, IIT BHU and the Coordinator CERD.

Pos.	Country	No.	Team	Attempts	Best Result
1	China	301	HUAQI-EV <small>Guangzhou College of South China University of Technology</small>	3	511.0 km/kWh
2	China	302	BIT ECONOPOWER CLUB <small>Beijing Institute of Technology</small>	5	355.5 km/kWh
3	India	303	TEAM AVERERA <small>Indian Institute of Technology - Varanasi</small>	5	349.6 km/kWh
4	Indonesia	304	SEMAR PROTO UGM INDONESIA <small>Universitas Gadjah Mada</small>	3	269.7 km/kWh
5	Indonesia	305	BATAVIA GENERATION TEAM <small>Universitas Padjadjaran</small>	3	256.0 km/kWh
6	United Kingdom	306	GIRTON GRAMMAR SHELL ECO MARATHON TEAM (GGSEMT) <small>Girton Grammar School</small>	3	243.8 km/kWh

Picture of the Leader board from Shell Eco-Marathon Asia, 2018 showing Team Averera placed at third position.

ऊर्जा और संस्थान विकास केंद्र (सी. ई. आर. डी.) के तहत काम करने वाले 25 ऑटोमोबाइल उत्साही का एक समूह "टीम अवेरेरा" आईआईटी(बीएचयू) ने शैल इको मैराथन एशिया 2018 के बैटरी इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप वाहन श्रेणी में तीसरा स्थान प्राप्त किया। शैल इको मैराथन एशिया के इंजीनियरिंग छात्रों को चांगी प्रदर्शनी केंद्र, सिंगापुर में अपने अति ऊर्जा कुशल वाहनों के डिज़ाइन, निर्माण और प्रशिक्षण करने के लिए आमंत्रित करता है जिसमें 128 से भी ज्यादा एशिया की टीमों में भाग लेती हैं।

टीम ने हमें बताया कि " भारत के सबसे अधिक ऊर्जा कुशल वाहन के अविष्कार की यात्रा में बहुत कठिनाइयों का सामना किया गया है, हम अपने निदेशक प्रोफेसर राजीव संगल एवं सी. ई. आर. डी. प्रोफेसर ए. एस. के. सिन्हा के समन्वयक से पूर्ण समर्थन प्राप्त करने के लिए बहुत भाग्यशाली रहे हैं। हमारे सलाहकार प्रोफेसर ए.के. कपूर ने हमें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग और डॉ. एस.के. पांडा ने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से अच्छी तरह मार्गदर्शन किया है।

ऊर्जा और संस्थान विकास केंद्र मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के फ्रंटियर क्षेत्र के तहत स्थापित किया गया था जिसका उद्देश्य विश्व स्तरीय शोध करना है जो वैज्ञानिक, तकनीकी, आर्थिक नीति और सामाजिक तकनीकी पहलुओं को एकीकृत करके ऊर्जा प्रणालियों की ओर टिकाऊ एवं संक्रमण बढ़ाने हेतु आवश्यक उपकरण प्रदान करना है।

टीम अवेरेरा की नवीनतम प्रोटोटाइप अल्टरनो 3.0 में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन जैसे कि कार्बन फाइबर मोनोकोक चैसिस, दक्षता अनुकूलन के लिए तंत्रिका नेटवर्क के कार्यान्वयन, आदि करके टीम ने बैटरी इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप

वाहन श्रेणी में 349.6 km/kwh की एक ऑन ट्रैक दक्षता के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। टीम अवेरेरा ने राष्ट्रीय ध्वज को पकड़ने और उद्घाटन समारोह में सबसे आगे रहने का सम्मान भी अर्जित किया।

टीम अवेरेरा ने यात्रा एवं नोवहन के लिए अपनी दूरदृष्टि और निष्पक्ष नियोजन के कारण यात्रा सुरक्षा के लिए ऑफ-ट्रैक पुरस्कार भी जीता। पिआईईएयस एकोमोटिवे(PIEAS ECOMOTIVE) एवं पाकिस्तान जैसे टीमों की तकनीकी मदद करने के लिए टीम के नाम पर एक विशेष उल्लेख भी किया गया।

टीम अवेरेरा द्वारा किया गया यह काम राष्ट्रपति भवन के अभिनव ओर उद्यमिता 2018 महोत्सव में भी प्रस्तुत किया गया।

उन्होंने बेहद सावधानी और उचित शोध के साथ अपने वाहन के हर घटक पर सावधानी से काम किया है। वे कुल प्रोटोटाइप का वजन 40 किग्रा के नीचे रखने में कामयाब रहे। प्रोटोटाइप का खिंचे गुणांक सड़क की बाकी कारों की तुलना में बहुत कम है। उनके पास स्वयं बनाया बीएलडीसी मोटर नियंत्रक है और वे गर्व महसूस करते हैं कि यह भारत में एकमात्र टीम है जिसने इसे हासिल किया है। बाजार में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में दक्षता का एक बेंचमार्क बनाने के बाद उनके वाहन में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक को कुछ हद तक इस तरह से हासिल किया गया है कि वे इसके लिए संपन्न हैं। टीम का कहना है कि "हम मानते हैं कि हमारे पावरट्रेन की अवधारणा पर बने विद्युत वाहन भारतीय ग्राहकों के लिए अधिक उपयोगी साबित होंगे"।